दक्ष®

2023 का प्रश्न-पत्र सम्पूर्ण
हल एवं व्याख्या सहित

A Complete Guide for

No.1

डी.एल.एड.

बी.एस.टी.सी.

2024

D.El.Ed. / BSTC

नवीनतम पाठ्यक्रम एवं
नवीनतम आँकड़ों सहित

Buy Online at : WWW.DAKSHBOOKS.COM

अनुक्रमणिका

अध्याय नं. अध्याय का नाम ..... पृष्ठ संख्या

☆ D.El.Ed./BSTC प्रवेश परीक्षा 2023 ..... P-1–P-24

☆ मानसिक योग्यता [MENTAL ABILITY] 1-176

1 सादृश्यता परीक्षण [Analogy Test] 1
- ✧ Pre BSTC/D.EL.Ed. की विगत भर्ती परीक्षाओं में से पूछे गये महत्त्वपूर्ण प्रश्नोत्तर 3

2 समानता [Similarities] 8
- ✧ Pre BSTC/D.EL.Ed. की विगत भर्ती परीक्षाओं में से पूछे गये महत्त्वपूर्ण प्रश्नोत्तर 9

3 कूटलेखन एवं कूटवाचन [Coding and Decoding] 14
- ✧ Pre BSTC/D.EL.Ed. की विगत भर्ती परीक्षाओं में से पूछे गये महत्त्वपूर्ण प्रश्नोत्तर 16

4 शृंखला/श्रेणीक्रम [Series] 23
- ✧ Pre BSTC/D.EL.Ed. की विगत भर्ती परीक्षाओं में से पूछे गये महत्त्वपूर्ण प्रश्नोत्तर 25

5 असंगत [Differences] 33
- ✧ Pre BSTC/D.EL.Ed. की विगत भर्ती परीक्षाओं में से पूछे गये महत्त्वपूर्ण प्रश्नोत्तर 35

6 रक्त सम्बन्ध [Blood Relation] 47
- ✧ Pre BSTC/D.EL.Ed. की विगत भर्ती परीक्षाओं में से पूछे गये महत्त्वपूर्ण प्रश्नोत्तर 50

7 दिशा और दूरी [Direction and Distance] 55
- ✧ Pre BSTC/D.EL.Ed. की विगत भर्ती परीक्षाओं में से पूछे गये महत्त्वपूर्ण प्रश्नोत्तर 57

8 वेन आरेख [Venn Diagram] 62
- ✧ Pre BSTC/D.EL.Ed. की विगत भर्ती परीक्षाओं में से पूछे गये महत्त्वपूर्ण प्रश्नोत्तर 65

9 घड़ी [Clock] 78
- ✧ Pre BSTC/D.EL.Ed. की विगत भर्ती परीक्षाओं में से पूछे गये महत्त्वपूर्ण प्रश्नोत्तर 84

10 कैलेण्डर [Calendar] 88
- ✧ Pre BSTC/D.EL.Ed. की विगत भर्ती परीक्षाओं में से पूछे गये महत्त्वपूर्ण प्रश्नोत्तर 92

11 घन, घनाभ एवं पासा [Cube, Cuboid and Dice] 95
- ✧ Pre BSTC/D.EL.Ed. की विगत भर्ती परीक्षाओं में से पूछे गये महत्त्वपूर्ण प्रश्नोत्तर 99

12 वर्णमाला परीक्षण [Alphabetical Test] 104
- ✧ Pre BSTC/D.EL.Ed. की विगत भर्ती परीक्षाओं में से पूछे गये महत्त्वपूर्ण प्रश्नोत्तर 106

13 लुप्त संख्या ज्ञात करना [Finding The Missing Number] 108
- ✧ Pre BSTC/D.EL.Ed. की विगत भर्ती परीक्षाओं में से पूछे गये महत्त्वपूर्ण प्रश्नोत्तर 113

14 बैठक व्यवस्थीकरण [Seating Arrangements] 118
- ✧ Pre BSTC/D.EL.Ed. की विगत भर्ती परीक्षाओं में से पूछे गये महत्त्वपूर्ण प्रश्नोत्तर 119

15 गणितीय संक्रियाएँ [Mathematical Operation] 126
- ✧ Pre BSTC/D.EL.Ed. की विगत भर्ती परीक्षाओं में से पूछे गये महत्त्वपूर्ण प्रश्नोत्तर 127

16 दर्पण एवं जल प्रतिबिम्ब [Mirror and Water Images] 134
- ✧ Pre BSTC/D.EL.Ed. की विगत भर्ती परीक्षाओं में से पूछे गये महत्त्वपूर्ण प्रश्नोत्तर 139

अध्याय नं. अध्याय का नाम ..... पृष्ठ संख्या

17 आकृतियों की गिनती [Counting of Figures] 143
✧ Pre BSTC/D.EL.Ed. की विगत भर्ती परीक्षाओं में से पूछे गये महत्त्वपूर्ण प्रश्नोत्तर 148
18 कथन एवं मान्यताएँ/धारणाएँ [Statement and Assumptions] 153
✧ Pre BSTC/D.EL.Ed. की विगत भर्ती परीक्षाओं में से पूछे गये महत्त्वपूर्ण प्रश्नोत्तर 154
19 कथन एवं तर्क [Statement and Arguments] 159
✧ Pre BSTC/D.EL.Ed. की विगत भर्ती परीक्षाओं में से पूछे गये महत्त्वपूर्ण प्रश्नोत्तर 160
20 कथन एवं निष्कर्ष [Statement and Conclusions] 166
✧ Pre BSTC/D.EL.Ed. की विगत भर्ती परीक्षाओं में से पूछे गये महत्त्वपूर्ण प्रश्नोत्तर 167
21 कथन एवं कार्यवाहियाँ [Statement and Course of Action] 171
✧ Pre BSTC/D.EL.Ed. की विगत भर्ती परीक्षाओं में से पूछे गये महत्त्वपूर्ण प्रश्नोत्तर 173

☆ GENERAL AWARENESS OF RAJASTHAN 177-384

ऐतिहासिक पक्ष [Historical Aspect]

1 राजस्थान के इतिहास के महत्त्वपूर्ण स्रोत
[Important Sources of Rajasthan's History] 177
✧ Pre BSTC/D.EL.Ed. की विगत भर्ती परीक्षाओं में से पूछे गये महत्त्वपूर्ण प्रश्नोत्तर 181
2 राजस्थान की प्रागैतिहासिक सभ्यताएँ [Major Prehistoric Civilizations] .. 182
✧ Pre BSTC/D.EL.Ed. की विगत भर्ती परीक्षाओं में से पूछे गये महत्त्वपूर्ण प्रश्नोत्तर 184
3 राजस्थान के प्रमुख राजवंश [Major Dynasties of Rajasthan] 185
✧ Pre BSTC/D.EL.Ed. की विगत भर्ती परीक्षाओं में से पूछे गये महत्त्वपूर्ण प्रश्नोत्तर 195
4 राजस्थान में स्थापत्य [Architecture in Rajasthan] 199
✧ Pre BSTC/D.EL.Ed. की विगत भर्ती परीक्षाओं में से पूछे गये महत्त्वपूर्ण प्रश्नोत्तर 202
5 राजस्थान में 1857 की क्रांति [Revolution of 1857 in Rajasthan] 211
✧ Pre BSTC/D.EL.Ed. की विगत भर्ती परीक्षाओं में से पूछे गये महत्त्वपूर्ण प्रश्नोत्तर 212
6 किसान एवं जनजाति आन्दोलन [Peasant and Tribal Movements] 213
✧ Pre BSTC/D.EL.Ed. की विगत भर्ती परीक्षाओं में से पूछे गये महत्त्वपूर्ण प्रश्नोत्तर 215
7 प्रजामंडल आन्दोलन [Prajamandal Movement] 216
✧ Pre BSTC/D.EL.Ed. की विगत भर्ती परीक्षाओं में से पूछे गये महत्त्वपूर्ण प्रश्नोत्तर 219
8 राजस्थान का एकीकरण [Integration of Rajasthan] 220
✧ Pre BSTC/D.EL.Ed. की विगत भर्ती परीक्षाओं में से पूछे गये महत्त्वपूर्ण प्रश्नोत्तर 221
9 राजस्थान के प्रमुख व्यक्तित्व [Major Personalities of Rajasthan] 222
✧ Pre BSTC/D.EL.Ed. की विगत भर्ती परीक्षाओं में से पूछे गये महत्त्वपूर्ण प्रश्नोत्तर 227

राजनीतिक पक्ष [Political Aspect]

1 राज्य व्यवस्थापिका, कार्यपालिका व न्यायपालिका
[State Executive, Legislature and Judiciary] 228
✧ Pre BSTC/D.EL.Ed. की विगत भर्ती परीक्षाओं में से पूछे गये महत्त्वपूर्ण प्रश्नोत्तर 238
2 जिला प्रशासन [District Administration] 240
✧ Pre BSTC/D.EL.Ed. की विगत भर्ती परीक्षाओं में से पूछे गये महत्त्वपूर्ण प्रश्नोत्तर 243

अध्याय नं. अध्याय का नाम ..... पृष्ठ संख्या

3 पंचायती राज और शहरी स्थानीय-स्वशासन संस्थाएँ [Institutions of Panchayati Raj and Urban Local-Self Government] 244
✧ Pre BSTC/D.EL.Ed. की विगत भर्ती परीक्षाओं में से पूछे गये महत्त्वपूर्ण प्रश्नोत्तर 249

4 राजस्थान के विभिन्न आयोग एवं संस्थाएँ [Various Commissions and Institutions of Rajasthan] 250
✧ Pre BSTC/D.EL.Ed. की विगत भर्ती परीक्षाओं में से पूछे गये महत्त्वपूर्ण प्रश्नोत्तर 253

कला, संस्कृति और साहित्य पक्ष [Art, Culture & Literature Aspect]

1 राजस्थान में लोक नृत्य एवं लोक नाट्य [Folk Dance & Folk Drama in Rajasthan] 254
✧ Pre BSTC/D.EL.Ed. की विगत भर्ती परीक्षाओं में से पूछे गये महत्त्वपूर्ण प्रश्नोत्तर 258

2 राजस्थान में लोक संगीत एवं प्रमुख वाद्ययंत्र [Folk Music & Major Musical Instruments in Rajasthan] ... 259
✧ Pre BSTC/D.EL.Ed. की विगत भर्ती परीक्षाओं में से पूछे गये महत्त्वपूर्ण प्रश्नोत्तर 265

3 राजस्थान में चित्रकला [Painting in Rajasthan] 266
✧ Pre BSTC/D.EL.Ed. की विगत भर्ती परीक्षाओं में से पूछे गये महत्त्वपूर्ण प्रश्नोत्तर 270

4 राजस्थान में जनजातियाँ व उनकी संस्कृति [Tribes and their Culture in Rajasthan] 271
✧ Pre BSTC/D.EL.Ed. की विगत भर्ती परीक्षाओं में से पूछे गये महत्त्वपूर्ण प्रश्नोत्तर 272

5 राजस्थान के मेले एवं त्योहार [Fairs and Festivals of Rajasthan] 273
✧ Pre BSTC/D.EL.Ed. की विगत भर्ती परीक्षाओं में से पूछे गये महत्त्वपूर्ण प्रश्नोत्तर 275

6 राजस्थानी साहित्य [Rajasthani Literature] 276
✧ Pre BSTC/D.EL.Ed. की विगत भर्ती परीक्षाओं में से पूछे गये महत्त्वपूर्ण प्रश्नोत्तर 280

आर्थिक पक्ष [Economic Aspect]

1 राजस्थान में कृषि [Agriculture in Rajasthan] 281
✧ Pre BSTC/D.EL.Ed. की विगत भर्ती परीक्षाओं में से पूछे गये महत्त्वपूर्ण प्रश्नोत्तर 285

2 राजस्थान की प्रमुख सिंचाई परियोजनाएँ [Major Irrigation Projects of Rajasthan] 286
✧ Pre BSTC/D.EL.Ed. की विगत भर्ती परीक्षाओं में से पूछे गये महत्त्वपूर्ण प्रश्नोत्तर 290

3 राजस्थान में पशु सम्पदा एवं डेयरी विकास [Livestock & Dairy Development in Rajasthan] 291
✧ Pre BSTC/D.EL.Ed. की विगत भर्ती परीक्षाओं में से पूछे गये महत्त्वपूर्ण प्रश्नोत्तर 294

4 खनिज सम्पदाएँ [Mineral Resources] 295
✧ Pre BSTC/D.EL.Ed. की विगत भर्ती परीक्षाओं में से पूछे गये महत्त्वपूर्ण प्रश्नोत्तर 298

5 राजस्थान : ऊर्जा संसाधन [Rajasthan : Energy Resources] 299
✧ Pre BSTC/D.EL.Ed. की विगत भर्ती परीक्षाओं में से पूछे गये महत्त्वपूर्ण प्रश्नोत्तर 301

6 राजस्थान : उद्योग एवं हस्तकलाएँ [Rajasthan : Industries and Handicrafts] 302
✧ Pre BSTC/D.EL.Ed. की विगत भर्ती परीक्षाओं में से पूछे गये महत्त्वपूर्ण प्रश्नोत्तर 309

अध्याय नं. अध्याय का नाम ..... पृष्ठ संख्या

7 प्राकृतिक वनस्पति [Natural Vegetation] 310
✧ Pre BSTC/D.EL.Ed. की विगत भर्ती परीक्षाओं में से पूछे गये महत्त्वपूर्ण प्रश्नोत्तर 313
8 वन्य जीव एवं उनका संरक्षण [Wild Life and their Conservation] 314
✧ Pre BSTC/D.EL.Ed. की विगत भर्ती परीक्षाओं में से पूछे गये महत्त्वपूर्ण प्रश्नोत्तर 317

भौगोलिक पक्ष [Geographical Aspect]

1 राजस्थान के नवीन जिले एवं संभागीय व्यवस्था
[New District & Divisional System of Rajasthan] 318
✧ Pre BSTC/D.EL.Ed. की विगत भर्ती परीक्षाओं में से पूछे गये महत्त्वपूर्ण प्रश्नोत्तर 330
2 राजस्थान : सामान्य परिचय [Rajasthan : General Introduction] 331
✧ Pre BSTC/D.EL.Ed. की विगत भर्ती परीक्षाओं में से पूछे गये महत्त्वपूर्ण प्रश्नोत्तर 334
3 राजस्थान की अवस्थिति एवं भू-आकृतिक प्रदेश
[Location and Physiographic regions of Rajasthan] 335
✧ Pre BSTC/D.EL.Ed. की विगत भर्ती परीक्षाओं में से पूछे गये महत्त्वपूर्ण प्रश्नोत्तर 340
4 अपवाह तन्त्र [Drainage System] 341
✧ Pre BSTC/D.EL.Ed. की विगत भर्ती परीक्षाओं में से पूछे गये महत्त्वपूर्ण प्रश्नोत्तर 345
5 जलवायु एवं मृदा [Climate and Soil] 347
✧ Pre BSTC/D.EL.Ed. की विगत भर्ती परीक्षाओं में से पूछे गये महत्त्वपूर्ण प्रश्नोत्तर 350
6 परिवहन [Transportation] 351
✧ Pre BSTC/D.EL.Ed. की विगत भर्ती परीक्षाओं में से पूछे गये महत्त्वपूर्ण प्रश्नोत्तर 355
7 राजस्थान : जनगणना-2011 [Rajasthan : Population-2011] 356
✧ Pre BSTC/D.EL.Ed. की विगत भर्ती परीक्षाओं में से पूछे गये महत्त्वपूर्ण प्रश्नोत्तर 358

लोक जीवन [Folk Life]

1 राजस्थानी वेशभूषा एवं आभूषण [Rajasthani Clothes and Ornaments] 359
✧ Pre BSTC/D.EL.Ed. की विगत भर्ती परीक्षाओं में से पूछे गये महत्त्वपूर्ण प्रश्नोत्तर 360
2 राजस्थानी रीति रिवाज [Rajasthani Customs] 361
✧ Pre BSTC/D.EL.Ed. की विगत भर्ती परीक्षाओं में से पूछे गये महत्त्वपूर्ण प्रश्नोत्तर 363

सामाजिक पक्ष [Social Aspect]

1 राजस्थान के प्रमुख लोक संत एवं सम्प्रदाय
[Major Saints and Sects of Rajasthan] 364
✧ Pre BSTC/D.EL.Ed. की विगत भर्ती परीक्षाओं में से पूछे गये महत्त्वपूर्ण प्रश्नोत्तर 367
2 राजस्थान के लोकदेवता एवं देवियाँ
[Lokdevta and Lokdeviyan of Rajasthan] 368
✧ Pre BSTC/D.EL.Ed. की विगत भर्ती परीक्षाओं में से पूछे गये महत्त्वपूर्ण प्रश्नोत्तर 372
3 राजस्थानी भाषा, बोलियाँ एवं सांस्कृतिक संस्थाएँ
[Rajasthani Language, Dialects & Cultural Organizations] 373
✧ Pre BSTC/D.EL.Ed. की विगत भर्ती परीक्षाओं में से पूछे गये महत्त्वपूर्ण प्रश्नोत्तर 375

अध्याय नं. अध्याय का नाम ..... पृष्ठ संख्या

पर्यटन पक्ष [Tourism Aspect]

1 राजस्थान के प्रमुख पर्यटन स्थल [Major Tourism Spots of Rajasthan] . 376
✧ Pre BSTC/D.EL.Ed. की विगत भर्ती परीक्षाओं में से पूछे गये महत्त्वपूर्ण प्रश्नोत्तर 384

☆ शिक्षण अभिक्षमता [TEACHING APTITUDE] 385-496

1 शिक्षण अधिगम [Teaching Learning] 385
✧ Pre BSTC/D.EL.Ed. की विगत भर्ती परीक्षाओं में से पूछे गये महत्त्वपूर्ण प्रश्नोत्तर 402

2 नेतृत्व गुण [Leadership Quality] 405
✧ Pre BSTC/D.EL.Ed. की विगत भर्ती परीक्षाओं में से पूछे गये महत्त्वपूर्ण प्रश्नोत्तर 412

3 सृजनात्मकता [Creativity] 418
✧ Pre BSTC/D.EL.Ed. की विगत भर्ती परीक्षाओं में से पूछे गये महत्त्वपूर्ण प्रश्नोत्तर 425

4 सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन [Continuous & Comprehensive Evaluation]..... 430
✧ Pre BSTC/D.EL.Ed. की विगत भर्ती परीक्षाओं में से पूछे गये महत्त्वपूर्ण प्रश्नोत्तर 441

5 सम्प्रेषण क्षमता [Communication Skills] 446
✧ Pre BSTC/D.EL.Ed. की विगत भर्ती परीक्षाओं में से पूछे गये महत्त्वपूर्ण प्रश्नोत्तर 462

6 व्यावसायिक निष्बद्धता [Professional Attitude] 468
✧ Pre BSTC/D.EL.Ed. की विगत भर्ती परीक्षाओं में से पूछे गये महत्त्वपूर्ण प्रश्नोत्तर 474

7 सामाजिक संवेदनशीलता [Social Sensitivity] 482
✧ Pre BSTC/D.EL.Ed. की विगत भर्ती परीक्षाओं में से पूछे गये महत्त्वपूर्ण प्रश्नोत्तर 487

☆ भाषा योग्यता [LANGUAGE ABILITY] 497-688

अंग्रेजी [English]

1 Kinds of Sentences (वाक्य भेद) 497
✧ Objective Type Questions with Explanation 498

2 Articles (आर्टिकल्स) 499
✧ Objective Type Questions with Explanation 504

3 Tense (काल) 506
✧ Objective Type Questions with Explanation 511

4 Prepositions (पूर्वसर्ग) 513
✧ Objective Type Questions with Explanation 526

5 Narration (Direct & Indirect) (प्रत्यक्ष व परोक्ष कथन) 528
✧ Objective Type Questions with Explanation 539

6 Connectives (योजक) 541

7 Sentence Improvement by Substitution (वाक्य सुधार-प्रतिस्थापन द्वारा) .. 543
✧ Objective Type Questions with Explanation 543

8 Sentence Completion by Filling in the Blanks
(रिक्त स्थानों की पूर्ति के द्वारा वाक्य पूर्णता) 545
✧ Objective Type Questions with Explanation 547

अध्याय नं. अध्याय का नाम ..... पृष्ठ संख्या

9 Correction of Sentences & Spotting Errors
(वाक्यों का सुधार और त्रुटियों का पता लगाना) 549
10 Synonyms (समानार्थक शब्द) 560
✧ Objective Type Questions with Explanation 565
11 Antonyms (प्रतिलोम (विपरीतार्थक) शब्द) 566
✧ Objective Type Questions with Explanation 574
12 One Word Substitution (शब्द समूह के लिए एक शब्द) 575
✧ Objective Type Questions with Explanation 584
13 Spelling Errors (वर्तनी-अशुद्धियाँ) 585
✧ Objective Type Questions with Explanation 588
14 Comprehension (Unseen Passage) (अपठित गद्यांश) 590

हिन्दी [Hindi]

1 पर्यायवाची शब्द [Synonyms] 593
✧ Pre BSTC/D.EL.Ed. की विगत भर्ती परीक्षाओं में से पूछे गये महत्त्वपूर्ण प्रश्नोत्तर 597
2 विलोम शब्द [Antonyms] 599
✧ Pre BSTC/D.EL.Ed. की विगत भर्ती परीक्षाओं में से पूछे गये महत्त्वपूर्ण प्रश्नोत्तर 603
3 शब्द-युग्म [Word Combinations] 604
✧ Pre BSTC/D.EL.Ed. की विगत भर्ती परीक्षाओं में से पूछे गये महत्त्वपूर्ण प्रश्नोत्तर 607
4 वाक्य-शुद्धि [Sentence Correction] 609
✧ Pre BSTC/D.EL.Ed. की विगत भर्ती परीक्षाओं में से पूछे गये महत्त्वपूर्ण प्रश्नोत्तर 620
5 शब्द-शुद्धि [Word-Purification] 622
✧ Pre BSTC/D.EL.Ed. की विगत भर्ती परीक्षाओं में से पूछे गये महत्त्वपूर्ण प्रश्नोत्तर 628
6 मुहावरे एवं उनके वाक्य प्रयोग [Idioms and their Sentence Usage] 629
✧ Pre BSTC/D.EL.Ed. की विगत भर्ती परीक्षाओं में से पूछे गये महत्त्वपूर्ण प्रश्नोत्तर 633
7 लोकोक्तियाँ और उनके वाक्य प्रयोग [Proverbs and their Sentence Usage] ... 635
✧ Pre BSTC/D.EL.Ed. की विगत भर्ती परीक्षाओं में से पूछे गये महत्त्वपूर्ण प्रश्नोत्तर 641
8 सन्धि व संधि-विच्छेद [Joining] 642
✧ Pre BSTC/D.EL.Ed. की विगत भर्ती परीक्षाओं में से पूछे गये महत्त्वपूर्ण प्रश्नोत्तर 655
9 समास [Compound] 657
✧ Pre BSTC/D.EL.Ed. की विगत भर्ती परीक्षाओं में से पूछे गये महत्त्वपूर्ण प्रश्नोत्तर 666
10 उपसर्ग [Prefix] 668
✧ Pre BSTC/D.EL.Ed. की विगत भर्ती परीक्षाओं में से पूछे गये महत्त्वपूर्ण प्रश्नोत्तर 673
11 प्रत्यय [Suffix] 674
✧ Pre BSTC/D.EL.Ed. की विगत भर्ती परीक्षाओं में से पूछे गये महत्त्वपूर्ण प्रश्नोत्तर 680
12 वाक्यांश के लिए एक सार्थक शब्द [One Word Substitution] 681
✧ Pre BSTC/D.EL.Ed. की विगत भर्ती परीक्षाओं में से पूछे गये महत्त्वपूर्ण प्रश्नोत्तर 686

D.EL.Ed. / बी.एस.टी.सी. प्रवेश पूर्व परीक्षा 2023

मानसिक योग्यता (Mental Ability)

1. यदि '+' का अर्थ '×' है, '–' का अर्थ है '÷' है, '×' का अर्थ '–' है, और '÷' का अर्थ '+' है, तो निम्नलिखित में से कौनसा समीकरण सही है?

(A) $8 \div 2 \times 6 + 8 - 4 = 2$

(B) $8 + 6 \div 12 \times 4 - 2 = 58$

(C) $12 - 4 \times 2 \div 5 + 4 = 25$

(D) $7 \times 9 \div 6 - 3 + 2 = 6$ **[B]**

व्याख्या— $(+) \to (\times), (-) \to (\div), (\times) \to (-), (\div) \to (+)$

विकल्प (B) से

$$8 + 6 \div 12 \times 4 - 2 = 58$$

चिह्न परिवर्तित करने पर

$$8 \times 6 + 12 - 4 \div 2 = 58$$

या $48 + 12 - 2 = 58$

या $58 = 58$

अत: विकल्प (B) सही है।

2. दिए गए पैटर्न का ध्यानपूर्वक अध्ययन करें और दिए गए विकल्पों में से उस संख्या का चयन करे जो प्रश्नचिह्न (?) के स्थान पर आ सकती है।

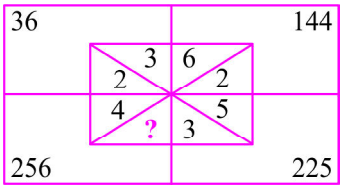

(A) 6 (B) 4 (C) 2 (D) 8 **[B]**

व्याख्या—जिस प्रकार,

$3 \times 2 = 6 \Rightarrow 6 \times 6 = 36$

$6 \times 2 = 12 \Rightarrow 12 \times 12 = 144$

$3 \times 5 = 15 \Rightarrow 15 \times 15 = 225$

उसी प्रकार,

$4 \times \boxed{4} = 16 \Rightarrow 16 \times 16 = 256$

अत: $\boxed{? = 4}$

3. असंगत विकल्प का चयन कीजिए।

(A) ऑक्सीजन (B) वायु

(C) कार्बन डाईऑक्साइड (D) नाइट्रोजन **[B]**

व्याख्या—ऑक्सीजन नाइट्रोजन एवं कार्बन डाइ ऑक्साइड गैसें वायु की घटक गैसे है, अत: यहाँ वायु असंगत है। अत: विकल्प (B) सही है।

4. दी गयी श्रृंखला में कौन सा अक्षरांकीय पद अगला होगा?

10D, 13E, 16F, 19G, ?

(A) 15B (B) 22H (C) 20G (D) 22C **[B]**

व्याख्या—श्रृंखला है

10D, 13E, 16F, 19G, ?

$10 \xrightarrow{+3} 13 \xrightarrow{+3} 16 \xrightarrow{+3} 19 \xrightarrow{+3} \boxed{22}$

$D \xrightarrow{+1} E \xrightarrow{+1} F \xrightarrow{+1} G \xrightarrow{+1} \boxed{H}$

$\therefore \quad ? = 22H$

5. उस विकल्प का चयन कीजिए जिसका तीसरी आकृति से वही संबंध है, जो दूसरी आकृति का पहली आकृति से है।

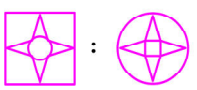

(A) 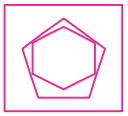 (B)

(C) (D) **[C]**

व्याख्या—आकृत्ति I में – बीच का वृत्त बड़ा होकर बाहर आ गया तथा बाहरी वर्ग छोटा होकर मध्य में आ गया।

उसी प्रकार आकृति III बदलकर विकल्प आकृति (C) जैसी होगी।

6. एक कोड में यदि ZIGZAGGING को AZGIZGNIGG के रूप में लिखा जाता है तो उसी कोड में BLIZZARDLY को कैसे लिखा जाएगा?

(A) ZZILBYLDRA (B) ZZILBIYLDRA

(C) ZZILLBYLDRA (D) ZZILBYDRA **[A]**

व्याख्या—जिस प्रकार श्रृंखला के आधे-आधे अक्षरों को विपरीत क्रम में लिखा गया है।

ZIGZA GGING ⟶ AZGIZ GNIGG

उसी प्रकार

BLIZZ ARDLY ⟶ ZZILB YLDRA

7. चार महिलाएँ गीता, अनीता, मोनू और रीना कैरम खेल रही हैं। अनीता, मोनू के सामने बैठी है और रीना, गीता के सामने बैठी है। यदि अनीता के सामने की ओर पूर्व दिशा है, तो मोनू के सामने की ओर कौनसी दिशा होगी?

(A) उत्तर (B) पूर्व (C) पश्चिम (D) दक्षिण **[C]**

मानसिक योग्यता [Mental Ability]

1 सादृश्यता परीक्षण [Analogy Test]

❖ **सादृश्यता (Analogy):** सादृश्यता का शाब्दिक अर्थ होता है—'देखने में समान' या 'सम-संबंध'।

❖ सादृश्यता परीक्षण में दो प्रकार के तत्त्वों के बीच के सम्बन्ध प्रदर्शित किये जाते हैं तथा पूछा जाता है कि उसी प्रकार का सम्बन्ध तीसरे तत्त्व का चौथे से (कौन) है।

❖ तीसरे तत्त्व से वैसा ही सम्बन्ध होना चाहिए जैसा कि प्रश्न में निहित पहले और दूसरे शब्द के बीच में है एवं सम्बन्धित तत्त्व को दिए गए उत्तर विकल्प में से खोजना होता है।

❖ सादृश्यता साधारणतया 6 प्रकार की होती है—

(i) अक्षर सादृश्यता (Alphabet Analogy)
(ii) संख्या सादृश्यता (Number Analogy)
(iii) शब्द सादृश्यता (Word Analogy)
(iv) आकृति सादृश्यता (Figural Analogy)
(v) समुच्चय सादृश्यता (Set Analogy)
(vi) विविध सादृश्यता (Miscellaneous Analogy)

Type 1

अक्षर सादृश्यता (Alphabet Analogy)

❖ अंग्रेजी अक्षर सादृश्यता के अन्तर्गत अंग्रेजी वर्णमाला के अक्षरों या अक्षर-समूहों पर आधारित प्रश्न पूछे जाते हैं। इन प्रश्नों में दिए गए प्रथम दो अक्षर-समूहों के संबंध को ज्ञात करके इसी आधार पर तीसरे अक्षर समूह के लिए सही उत्तर को विकल्प से ज्ञात करना होता है।

❖ साधारणतया इसके अन्तर्गत पूछे जाने वाले प्रश्न अक्षरों के क्रम पर आधारित होते हैं। अतः ऐसे प्रश्नों को हल करने हेतु अक्षरों के क्रम पर आधारित उनकी संगत संख्याओं को याद रखना जरूरी होता है। इसके अतिरिक्त प्रश्न अक्षरों के आवर्तन, स्वर, व्यंजन, छोटे या बड़े अक्षरों इत्यादि पर भी आधारित होते हैं।

उदाहरण 1. AK : FP :: XD : ?

(A) TE (B) SJ (C) CI (D) BH **[C]**

हल: उपर्युक्त शब्द युग्मों के आगे की शृंखला के शब्दों में 5 का अन्तराल है।

उदाहरण 2. ACF : GIL :: MOR : ?

(A) SUX (B) TUX (C) UWZ (D) SVY **[A]**

हल: जिस तरह,

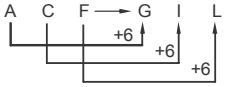

उसी तरह

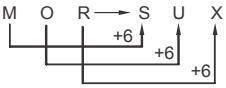

उदाहरण 3. AEIOU : UOIEA :: IJKLM : ?

(A) MJIKL (B) MNKLI
(C) IMLKJ (D) MLKJI **[D]**

हल: A E I O U → U O I E A
1 2 3 4 5 5 4 3 2 1

पूरे के पूरे अक्षर समूह को उल्टे क्रम में लिखा गया है।

इसी प्रकार

I J K L M → M L K J I
1 2 3 4 5 5 4 3 2 1

∴ ? = MLKJI

Type 2

संख्या सादृश्यता (Number Analogy)

❖ संख्या सादृश्यता के अन्तर्गत प्रश्नों में अंकों के क्रम, अंकों के वर्गों के क्रम, अभाज्य संख्याओं के क्रम आदि पर आधारित प्रश्न पूछे जाते हैं। इसके प्रश्न गणितीय संक्रियाओं पर आधारित होते हैं।

❖ इस प्रकार के प्रश्नों में चिह्न (::) के बायीं ओर दो संख्याएँ तथा दायीं ओर एक संख्या एवं एक प्रश्नवाचक चिह्न (?) दिया गया रहता है। आपको यह ज्ञात करना होता है कि (?) चिह्न के स्थान पर प्रश्नों के नीचे दिए गए वैकल्पिक संख्याओं में से कौन-सी एक ऐसी संख्या है, जिसका दायीं ओर वाली संख्या से वही संबंध हो जैसा कि बायीं ओर की दोनों संख्याओं में है।

उदाहरण 1. 8 : 81 :: 64 : ?

(A) 137 (B) 125 (C) 625 (D) 525 **[C]**

हल: 8 : 81 :: 64 :

$2^3 = 8$ तथा $3^4 = 81$

उसी प्रकार $4^3 = 64$ एवं $5^4 = 625$

अतः रिक्त स्थान पर 625 होगा।

उदाहरण 2. 32 : 66 :: 134 : ?

(A) 271 (B) 268 (C) 270 (D) 275 **[C]**

हल: जैसे, $32 \times 2 + 2 = 64 + 2 = 66$

उसी प्रकार,

$134 \times 2 + 2 = 268 + 2 = 270$

उदाहरण 3. 121 : 12 :: 25 : ?

(A) 1 (B) 2 (C) 6 (D) 7 **[C]**

हल: जिस प्रकार $\sqrt{121} + 1$

$\Rightarrow$ $11 + 1 = 12$

उसी प्रकार $\sqrt{25} + 1$

$\Rightarrow$ $5 + 1 = 6$

2 समानता [Similarities]

- ‘समान आकृति की खोज’ प्रकार के प्रश्न ‘अभाषिक मानसिक-योग्यता परीक्षण’ अथवा ‘अभाषिक तर्क-शक्ति परीक्षण’ में अपना विशेष स्थान रखते हैं। इस प्रकार के प्रश्नों में समस्या-आकृति ‘विभाजक रेखा (काल्पनिक अथवा वास्तविक)’ के बायीं ओर होती है। आपको विभाजक रेखा की दायीं ओर दिये गए चार विकल्पों (A, B, C, तथा D) में से वैसी उत्तर-आकृति का पता लगाना होता है, जो बिल्कुल समस्या-आकृति की तरह हो।
- इस प्रकार के प्रश्नों को हल करते समय अत्यन्त एकाग्रता की आवश्यकता होती है क्योंकि, दी गई सभी उत्तर-आकृतियाँ लगभग एक जैसी होती हैं।
- आकृति में थोड़ी-सी भिन्नता आने से भी वह उत्तर-आकृति सही उत्तर नहीं कहलाएगी।
- इस प्रकार के प्रश्नों को हल करते समय कभी-कभी भ्रम की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। अत: इस स्थिति से बचने के लिए आपको सबसे पहले समस्या-आकृति को ध्यान से देखना चाहिए। उसके बाद उत्तर-आकृतियों में से सही उत्तर का पता अधिक आसानी से तथा कम समय में लगा सकते हैं।

निर्देश—निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न में बायीं ओर एक समस्या-आकृति दी गयी है तथा दायीं ओर चार उत्तर-आकृतियाँ *(A, B, C,* और *D)* दी गयी हैं। दी गयी उत्तर-आकृतियों में से उस उपयुक्त आकृति को ढूँढिए जो पूर्णत: (हू-ब-हू) समस्या-आकृति के समान हैं।

उदाहरण 1.

प्रश्न आकृति उत्तर आकृति

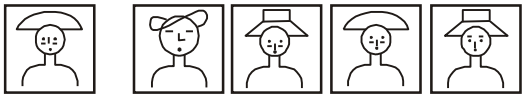

(A) (B) (C) (D) **[C]**

हल: दिये गए सभी विकल्पों (उत्तर-आकृतियों) में केवल ‘C’ में दी गयी आकृति ही समस्या-आकृति के पूर्णत: समान है।

उदाहरण 2.

प्रश्न आकृति उत्तर आकृति

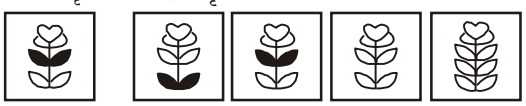

(A) (B) (C) (D) **[B]**

हल: केवल उत्तर-आकृति ‘B’ ही समस्या-आकृति से पूर्णत: मिलती है अत: ‘B’ सही उत्तर है।

उदाहरण 3.

प्रश्न आकृति उत्तर आकृति

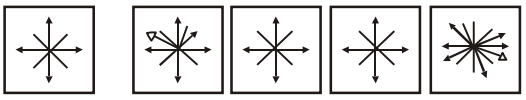

(A) (B) (C) (D) **[C]**

हल: समस्या-आकृति में केवल चार तीर हैं, जो चारों दिशाओं (पूर्व, पश्चिम, उत्तर और दक्षिण) की ओर इंगित कर रहे हैं। चूँकि केवल विकल्प ‘C’ में ही ठीक वैसे ही चार तीर हैं, जैसा कि समस्या-आकृति में हैं, अत: सही उत्तर ‘C’ होगा।

उदाहरण 4.

प्रश्न आकृति उत्तर आकृति

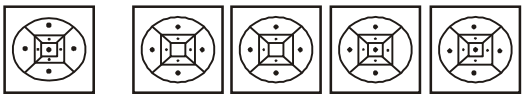

(A) (B) (C) (D) **[D]**

हल: विकल्प D को छोड़कर अन्य सभी उत्तर-आकृतियों (A, B,और C) में समस्या-आकृति में स्थित बिन्दुओं की संख्या में कमी है। चूँकि केवल उत्तर-आकृति ‘D’ में ही समस्या-आकृति की भाँति सभी बिंदु तथा उसी प्रकार अन्दर की आकृति और मध्य की आकृति को नीचे दायीं ओर से जोड़ने वाली एक छोटी रेखा लुप्त है, अत: सही उत्तर ‘D’ होगा।

उदाहरण 5.

प्रश्न आकृति उत्तर आकृति

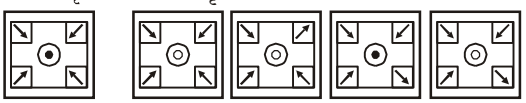

(A) (B) (C) (D) **[C]**

हल: चूँकि केवल उत्तर-आकृति ‘C’ ही समस्या-आकृति की भाँति अन्य सभी समानताओं के साथ-साथ मध्य में स्थित वृत्त (गोला) के भीतर एक ठोस काला गोला भी है, जैसा कि किसी अन्य उत्तर-विकल्प में नहीं है, अत: ‘C’ इस प्रश्न का सही उत्तर है।

उदाहरण 6.

प्रश्न आकृति उत्तर आकृति

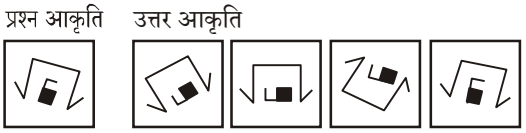

(A) (B) (C) (D) **[D]**

हल: केवल उत्तर-आकृति ‘D’ ही समस्या-आकृति से पूर्णत: मिलती है अत: ‘D’ सही उत्तर है।

3 कूटलेखन एवं कूटवाचन [Coding and Decoding]

❖ **सांकेतिक भाषा या कूट भाषा (Code):** यह एक प्रकार की संकेत-पद्धति (System of Signals) हैं।

❖ किसी अक्षर/शब्द/वाक्य को किसी सांकेतिक भाषा में लिखने की प्रक्रिया **कूटलेखन/संकेतन (Coding)** कहलाती है तथा किसी सांकेतिक भाषा में लिखे अक्षर/शब्द/वाक्य को उसके वास्तविक अर्थ में परिवर्तित करने की प्रक्रिया **कूटवाचन/विसंकेतन (Decoding)** कहलाती है।

❖ कूटलेखन एवं कूटवाचन के अन्तर्गत अंग्रेजी वर्णमाला और अंतर्राष्ट्रीय अंकों अर्थात् A, B, C, D ... या a, b, c, d ... आदि और 1, 2, 3, 4, 5, ... आदि का प्रयोग किया जाता है।

❖ इसी के आधार पर दिये गये अन्य शब्द, अक्षर समूह, संख्या, अंक समूह, चिह्नों, प्रतीकों या संकेतों के समूह अथवा इन सभी के मिश्रित रूप का 'कूट' (Code) ज्ञात करना होता है।

रैखिक क्रम व्यवस्था

❖ अंग्रेजी वर्णमाला के सभी अक्षरों के क्रमांकिक मान को याद रखना होगा। A से Z तक के व्यवस्थित क्रम को अंग्रेजी वर्णमाला कहते हैं। इसमें कुल 26 अक्षर होते हैं।

A	B	C	D	E	F	G	H	I	J	K	L	M
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
Z	Y	X	W	V	U	T	S	R	Q	P	O	N
26	25	24	23	22	21	20	19	18	17	16	15	14

✧ शब्द EJOTY की सहायता से पूरे अंग्रेजी वर्णमाला के अक्षरों के मान को याद किया जा सकता है।

E	J	O	T	Y
5	10	15	20	25

वृत्तीय क्रम व्यवस्था

❖ जब अक्षरों के बीच अंतर (Gap) पर आधारित प्रश्न पूछे जाते हैं, तो ऐसे प्रश्नों को अक्षरों की स्थिति (Position) या अवस्थिति (Location) के आधार पर हल किया जाता है अर्थात **वामावर्त्त** यानी घड़ी की सूई के घूमने की विपरीत या उल्टी दिशा **(Anti clockwise)** तथा **दक्षिणावर्त्त** यानी घड़ी की सूई के घूमने की दिशा **(Clockwise)**।

❖ **अक्षरों की दक्षिणावर्त्त स्थिति**—वृत्तीय क्रम व्यवस्था में यदि A से एक आगे का अक्षर ज्ञात करना हो, तो वह अक्षर B होगा। यह परिणाम अक्षरों के रेखीय क्रम व्यवस्था से भी प्राप्त होगा। परन्तु A से एक पीछे का अक्षर ज्ञात करना हो, तो इसका परिणाम अक्षरों के रेखीय क्रम व्यवस्था से नहीं प्राप्त किया जा सकता है।

❖ **अक्षरों की वामावर्त्त स्थिति**—यदि अक्षरों की वृत्तीय क्रम व्यवस्था पर ध्यान दिया जाय तो यह स्पष्ट हो जाएगा कि A से एक पीछे का अक्षर Z होगा। इसी प्रकार यदि Z से एक आगे का अक्षर ज्ञात करना हो, तो इसका परिणाम अक्षरों के रेखीय क्रम व्यवस्था से नहीं प्राप्त किया जा सकता है। यदि अक्षरों की वृत्तीय क्रम व्यवस्था पर पुनः ध्यान दिया जाय, तो यह स्पष्ट हो जाएगा कि Z से एक आगे का अक्षर A होगा।

❖ उपरोक्त उदाहरणों से यह स्पष्ट होता है कि आगे के लिए योग (+) तथा पीछे के लिए घटाव (–) का प्रयोग किया गया है। इसे निम्नलिखित उदाहरणों द्वारा समझा जा सकता है—

$$\begin{bmatrix} A+1 \Rightarrow B \\ A-1 \Rightarrow Z \end{bmatrix} \quad \begin{bmatrix} Z+1 \Rightarrow A \\ Z-1 \Rightarrow Y \end{bmatrix}$$

$$\begin{bmatrix} B+3 \Rightarrow E \\ B-3 \Rightarrow Y \end{bmatrix} \quad \begin{bmatrix} Y+3 \Rightarrow B \\ Y-3 \Rightarrow V \end{bmatrix}$$

$$\begin{bmatrix} C+5 \Rightarrow Y \\ C-5 \Rightarrow H \end{bmatrix} \quad \begin{bmatrix} X+5 \Rightarrow C \\ X-5 \Rightarrow S \end{bmatrix}$$

$$\begin{bmatrix} D+7 \Rightarrow K \\ D-7 \Rightarrow W \end{bmatrix} \quad \begin{bmatrix} W+7 \Rightarrow D \\ W-7 \Rightarrow P \end{bmatrix}$$

❖ **कूट-रचना**—कूट भेदन पर आधारित प्रश्नों को तीन वर्गों में बाँटा जा सकता है—

(i) अक्षर कूट (Letter Coding),
(ii) संख्यात्मक कूट (Number Coding),
(iii) गणितीय चिह्नों की अदला-बदली (Inter-change of Mathematical Signs)।

❖ **अक्षर कूट-रचना (Letter Coding)**—अक्षरों की कूट-रचना की कुछ सामान्य पद्धतियाँ निम्न प्रकार हैं—

✧ **अग्रगामी क्रम पद्धति (Forward Sequence Pattern)**—इसके अन्तर्गत किसी शब्द के प्रत्येक अक्षर की कूट-रचना अंग्रेजी वर्णमाला के बढ़ते क्रम में की जाती है।

✧ **पश्चगामी क्रम पद्धति (Backward Sequence Pattern)**—इसके अन्तर्गत किसी शब्द के प्रत्येक अक्षर की कूट-रचना अंग्रेजी वर्णमाला के विपरीत क्रम में की जाती है।

✧ **लुप्त अक्षर पद्धति (Skipped Letter Pattern)**—इसके अन्तर्गत किसी शब्द की कूट-रचना वर्णमाला के क्रम में एक या एक से अधिक अक्षरों को बीच में छोड़कर की जाती है।

✧ **विपरीत अक्षर पद्धति (Reversed Letter Pattern)**—

ऐतिहासिक पक्ष [Historical Aspect]

1 राजस्थान के इतिहास के महत्त्वपूर्ण स्रोत [Important Sources of Rajasthan's History]

राजस्थान के इतिहास के महत्त्वपूर्ण स्रोत

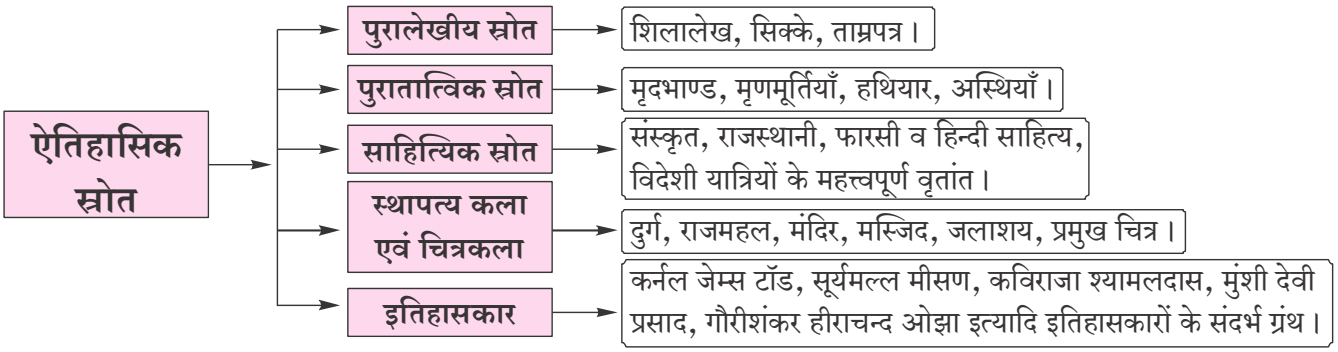

1. शिलालेख

❖ राजस्थान में बड़े स्तर पर पुरातात्विक सर्वे का कार्य सर्वप्रथम **1871 ई.** में **ए.सी.एल. कार्माइस** के निर्देशन में प्रारम्भ किया गया।

क्र. सं.	अभिलेख	स्थापना वर्ष	प्राप्ति स्थल (जिला)	जानकारी
1.	**बिजोलिया शिलालेख**	1170 ई.	**बिजोलिया (भीलवाड़ा)**	❖ संस्कृत भाषा में उत्कीर्ण इस शिलालेख के **रचयिता गुणभद्र** माने जाते हैं। ❖ सोमेश्वर चौहान के समय के इस शिलालेख में **सांभर व अजमेर के चौहानों को वत्स गौत्रीय ब्राह्मण** बताते हुए उनकी वंशावली दी गई है।
2.	**चीरवे का शिलालेख**	1273 ई.	**चीरवा गाँव (उदयपुर)**	❖ इसमें **बप्पा रावल से लेकर समरसिंह** तक की उपलब्धियों का वर्णन है।
3.	**राज प्रशस्ति**	1676 ई.	**राजसमंद झील (राजसमंद)**	❖ इस पद्यमय रचना के रचयिता **रणछोड़ भट्ट तैलंग** माने जाते हैं। ❖ राजसमंद झील की **नौ चौकी की पाल** पर 25 सफेद पत्थरों पर संस्कृत में उत्कीर्ण यह प्रशस्ति **विश्व का सबसे बड़ा** शिलालेख माना जाता है। ❖ महाराणा राजसिंह द्वारा स्थापित इस प्रशस्ति में मेवाड़ के **बप्पा रावल से राजसिंह** तक के शासकों की वंशावली व उपलब्धियों का वर्णन है।
4.	**घोसुण्डी** (हाथीबाड़ा) **शिलालेख**	दूसरी शताब्दी ई.पू.	**घोसुण्डी, नगरी (चित्तौड़गढ़)**	❖ वैष्णव धर्म से सम्बन्धित यह अभिलेख **ब्राह्मी लिपि** में संस्कृत भाषा में उत्कीर्ण है जिसमें **संकर्षण एवं वासुदेव की पूजा का उल्लेख** है। ❖ यह सर्वप्रथम **डी.आर. भण्डारकर** द्वारा पढ़ा गया। ❖ इसमें **गजवंश** के सर्वतात द्वारा **अश्वमेघ यज्ञ** करने का वर्णन है।
5.	**घटियाला अभिलेख**	861 ई.	**घटियाला (जोधपुर)**	❖ घटियाला में एक स्तंभ पर संस्कृत भाषा में उत्कीर्ण इस शिलालेख के लेखक **मग** और उत्कीर्णकर्त्ता **कृष्णेश्वर** थे। ❖ इसमें मण्डोर (जोधपुर) के **प्रतिहार शासक कुक्कुक का वर्णन** है।
6.	**रणकपुर प्रशस्ति**	1439 ई.	**रणकपुर (पाली)**	❖ यह प्रशस्ति **संस्कृत भाषा** व **नागरी लिपि** में है। ❖ रणकपुर चौमुखा जैन मंदिर में स्थापित इस प्रशस्ति में **बप्पा रावल से राणा कुंभा तक** का उल्लेख है। ❖ इसका सूत्रधार प्रसिद्ध वास्तुकार **देपाक (दीपा)** था।

2 राजस्थान की प्रागैतिहासिक सभ्यताएँ [Major Prehistoric Civilizations]

राजस्थान की प्राचीन सभ्यताएँ एवं पुरास्थल

सभ्यता का नाम	खोजकर्ता/उत्खननकर्ता	विशेष विवरण
कालीबंगा (शाब्दिक अर्थ **'काली चूड़ियाँ'**।), **हनुमानगढ़**	**श्री अमलानंद घोष** (1952)/ **श्री बी.बी. लाल व बी.के. थापर** (1961–62)	प्राचीन सरस्वती (**वर्तमान घग्घर**) नदी के किनारे बसी राजस्थान की सबसे प्राचीन सभ्यता (नगरीय सभ्यता) जहाँ से छोटे टीले से पूर्व हड़प्पाकालीन सभ्यता (2400 ई.पू.) तथा दूसरे टीले से हड़प्पाकालीन सभ्यता के अवशेष, **जुता हुआ खेत,** एक ही साथ दो फसल उगाना, एक कब्रगाह एवं चौकोर व गोल हवन कुण्ड (अग्निकुण्ड) के अवशेष प्राप्त हुए।
आहड़ ताम्रवती नगरी, आघाटपुर (आहाट दुर्ग), **धूलकोट** (स्थानीय लोग), **उदयपुर**	**श्री अक्षय कीर्ति व्यास** (1953)/ **श्री आर.सी. अग्रवाल** (1964) **एच.डी. साँकलिया** (1961–62)	आहड़ (बेड़च) नदी के किनारे स्थित ताँबे की वस्तुएँ बनाने व काले-लाल मृदभाण्ड संस्कृति का प्रमुख केन्द्र। यह बनास नदी सभ्यता का हिस्सा थी, इसलिए इसे 'बनास संस्कृति' भी कहा जाता है। छः ताँबे की मुद्राएँ और मोहर प्राप्त हुई जिनके मुख पर **यूनानी भाषा में लेख** अंकित है। यहाँ के निवासी शवों को आभूषणों सहित गाड़ते थे। डॉ. गोपीनाथ शर्मा के अनुसार इसका समृद्धिकाल 1900 ई.पू. से 1200 ई.पू. तक माना गया। यहाँ से दो मुँह का चूल्हा, बहुत प्रकार से बर्तनों के साथ सिलबट्टा, पैन तथा **'ताँबा गलाने की भट्टी'** मिली है।
गणेश्वर, नीम का थाना	**आर.सी. अग्रवाल विजयकुमार** (1977-78)	कान्तली नदी के किनारे स्थित ताम्रयुगीन सभ्यता (2800 ई.पू.) भारत में **ताम्रयुगीन सभ्यता** की **जननी** मानी जाती है। ताँबे के उपकरण, **बाढ़ से बचने के लिए पत्थर का बाँध,** चित्रकारी से युक्त बर्तन एवं **मछली पकड़ने के काँटे** प्राप्त हुए हैं। यहाँ से ताँबे का निर्यात होता था। **अन्य ताम्रयुगीन स्थल**—पिण्ड पाड़लिया (चित्तौड़), झाड़ोला (उदयपुर), कुराडा (नागौर), सावणिया व पूगल (बीकानेर), ऐलाना (जालोर), बूढ़ा पुष्कर (अजमेर) कोल-माहोली (सवाई माधोपुर) एवं किरडोल (जयपुर)।
गिलूण्ड, राजसमंद	**बी.बी. लाल** (1957-58)	बनास नदी के किनारे स्थित ताम्रयुगीन सभ्यता।
बागौर, भीलवाड़ा	**डॉ. वीरेंद्रनाथ मिश्र डॉ. एल.एस. लैशनि** (1967-68)	**कोठारी नदी** के किनारे स्थित **3000 ई.पू.** की सभ्यता (उत्तर पाषाणकालीन संस्कृति) के अवशेष। उत्खनन में **बोतल के आकार के बर्तन** एवं **हाथ व कान के शीशे के गहने** प्राप्त हुए हैं। यहाँ के निवासी युद्ध, शिकार व कृषि प्रेमी एवं माँसाहारी थे।
बालाथल, वल्लभ नगर (उदयपुर)	**वी.एन. मिश्र** (1993)	यह सभ्यता **3000 ई.पू.** से **2500 ई.पू.** तक मौजूद थी तथा **ताम्रयुगीन सभ्यता में बेहतर** थी। उत्खनन में ग्यारह कमरों वाला एक **बड़ा भवन, दुर्ग जैसी संरचना, साण्ड** व **कुत्ते की मूर्तियों** के अवशेष तथा ताँबे के आभूषण (कर्णफूल एवं लटकन) मिले हैं।
नोह, भरतपुर	**रतन चन्द्र अग्रवाल** (1963–64)	**रूपारेल नदी** के किनारे स्थित **3000 ई.पू.** की लौहयुगीन सभ्यता। अचित्रित मृदभाण्ड व कुषाणकालीन ईंट प्राप्त हुई, जिस पर **पक्षी का चित्र** है। कुषाणकालीन व मौर्यकालीन अवशेष प्राप्त हुए हैं। जाखबाबा की विशालकाय मूर्ति प्राप्त हुई।
रंगमहल, हनुमानगढ़	**डॉ. हन्नारिड** के निर्देशन में **स्वीडिश दल** द्वारा (1952-54)	घग्घर नदी के किनारे स्थित **100 ई.पू.** से **300 ई.** तक विकसित कुषाणकालीन एवं पूर्व गुप्तकालीन सभ्यता के अवशेष। उत्खनन में **विशिष्ट मृण्मूर्तियाँ (गाँधार शैली),** घण्टाकार, मृदपात्र, पंचमार्क व कनिष्क कालीन मुद्राएँ, टोंटीदार घड़े इत्यादि सामग्री प्राप्त हुई हैं।

3 राजस्थान के प्रमुख राजवंश [Major Dynasties of Rajasthan]

जनपदकालीन राजस्थान

- आर्यों के प्रसार के अंतर्गत एवं उसके पश्चात् भारत के अन्य राज्यों की भाँति राजस्थान में भी जनपदों का उदय, विकास एवं पतन हुआ।
- बौद्ध ग्रंथ **'अंगुत्तर निकाय'** में भारत के **16 महाजनपदों** की सूची दी हुई है, इनमें से मत्स्य महाजनपद राजस्थान में स्थित था।
- सिकन्दर के आक्रमण के फलस्वरूप पंजाब की मालव, शिवि, अर्जुनायन, यौद्येय आदि जातियाँ राजस्थान में आईं और यहाँ अपने जनपद स्थापित कर लिए।

मत्स्य जनपद

- आर्य जन के रूप में मत्स्य जाति का उल्लेख सर्वप्रथम ऋग्वेद में हुआ है। शतपथ ब्राह्मण और कौषीतकी उपनिषद् में भी मत्स्य जन का उल्लेख मिलता है।
- महाभारत में भी मत्स्य जनपद की गणना भारत के प्रमुख जनपदों में की है। महाभारतकाल में **राजा विराट** यहाँ का शासक था जिसकी राजधानी **विराटनगर** (बैराठ) थी, जो आधुनिक कोटपूतली-बहरोड़ जिले में स्थित है।
- मत्स्य जनपद कुरु जनपद के दक्षिण में एवं शूरसेन जनपद के पश्चिम में स्थित था। पश्चिम में सरस्वती तथा दक्षिण में चम्बल नदी इसकी सीमाएँ बनाती थीं।
- यद्यपि महाभारत काल के बाद मत्स्य जनपद के संबंध में अधिक जानकारी नहीं मिलती तथापि **डॉ. गोपीनाथ शर्मा** के अनुसार महाभारत के बाद कुरु व यादव जनपद निर्बल हो गए, जिनकी निर्बलता का लाभ उठाकर मत्स्य जनपद शक्तिशाली हो गया।
- मत्स्य जनपद का अपने पड़ोसी **शाल्व जनपद** एवं **चेदी जनपद** से संघर्ष चलता रहता था।
- वर्तमान राजस्थान के अलवर, भरतपुर, जयपुर, दौसा एवं करौली जिलों के कुछ क्षेत्र मत्स्य जनपद के अंतर्गत शामिल थे।

शिवि जनपद

- मेवाड़ राज्य का प्राचीन नाम शिवि था। यह पंजाब की शिवि जाति द्वारा स्थापित किया गया था। इसकी राजधानी **मज्झमिका/मध्यमिका/नगरी** (चित्तौड़गढ़) थी। पतंजली के महाभाष्य एवं महाभारत दोनों ग्रंथों में 'नगरी' का उल्लेख मिलता है।
- शिवि क्षेत्र को कालांतर में **मेदपाट, प्राग्वाट** और बाद में **मेवाड़** कहा जाने लगा।

मालव जनपद

- मालव जाति का मूल स्थान रावी-चिनाब नदियों का संगम क्षेत्र था। पाणिनी के अनुसार यह एक आयुद्ध जीवि जाति थी जो सिकन्दर के आक्रमण के कारण प्रारम्भ में मालवनगर (कार्कोट नगर, जयपुर) के आस-पास बस गये, बाद में ये लोग राजपूताने के **टोंक, अजमेर** एवं **मेवाड़** क्षेत्रों में आकर बस गये।
- यहाँ पर उन्होंने अपनी शक्ति संगठित कर मालव जनपद की नींव रखी, जिसकी **राजधानी नगर** (टोंक) थी।
- प्रयाग प्रशस्ति के अनुसार मालव जनपद ने समुद्रगुप्त की अधीनता स्वीकार कर ली थी।
- **रैढ़** और **नगर** (टोंक) में उत्खनन से **मालव जनपद के सिक्कों का भण्डार** मिला है।
- भीलवाड़ा के नांदसायूप अभिलेख के अनुसार मालव राजा **श्री सोम** ने शक क्षत्रपों को पराजित कर एक **'षष्टीरात्र यज्ञ'** का अयोजन करवाया था।
- यूनानी लेखों के अनुसार कुषाणकाल में दक्षिण-पश्चिमी राजस्थान में 'आभीर जनपद' का उदय हुआ।

कुरू जनपद

- कुरू जनपद दिल्ली के आसपास के क्षेत्र में विस्तृत था। राजस्थान के **अलवर** जिले का उत्तरी भाग कुरू जनपद में सम्मिलित था। कुरू जनपद की **राजधानी इन्द्रप्रस्थ** (वर्तमान दिल्ली) थी।

शूरसेन जनपद

- यह जनपद उत्तर प्रदेश में विस्तृत था। राजस्थान के **अलवर, भरतपुर, करौली, धौलपुर** जिलों के कुछ हिस्से इसमें शामिल थे। इसकी **राजधानी मथुरा** थी।

यौद्धेय जनपद

- राजस्थान के उत्तरी भाग **'जोहियावाटी'** (वर्तमान **श्रीगंगानगर** एवं **हनुमानगढ़** जिले) में यौद्धेय (जोहिया) जाति का साम्राज्य था।
- रूद्रदामन के एक लेख से स्पष्ट होता है कि इन्होंने **कुषाणों** को इस क्षेत्र से खदेड़ा था। इनका सबसे प्रतापी शासक **कुमारनामी** था।
- यौद्धेय एक शक्तिशाली **गणतंत्रीय** कबीला था।

जांगल जनपद

- वर्तमान बीकानेर, नागौर, फलौदी एवं जोधपुर क्षेत्रों में यह जनपद स्थित था। इसकी राजधानी अहिछत्रपुर (नागौर) थी। बीकानेर के शासक इसी परिप्रेक्ष्य में स्वयं को जांगलधर बादशाह कहते थे।

अर्जुनायन जनपद

- अर्जुनायन जनपद **अलवर-भरतपुर क्षेत्र** में विस्तृत था। अर्जुनायन

शिक्षण अभिक्षमता [Teaching Aptitude]

1 शिक्षण अधिगम (TEACHING LEARNING)

इस अध्याय में अध्ययन किये जाने वाले महत्वपूर्ण बिन्दु

- अधिगम का अर्थ
- अधिगम की परिभाषाएँ
- अधिगम की प्रकृति/स्वरूप
- अधिगम को प्रभावित करने वाले तत्व
- अधिगम प्रक्रिया की विशेषताएँ
- अधिगम की प्रक्रिया को प्रभावित करने वाले कारक
- अधिगम की प्रक्रिया
- अधिगम प्रक्रिया के सिद्धांत
- शिक्षण अधिगम का तुलनात्मक अध्ययन
- शिक्षण व अनुदेशन का तुलनात्मक अध्ययन
- शिक्षण का अर्थ
- शिक्षण की प्रकृति व स्वरूप
- शिक्षण की विशेषताएँ
- शिक्षण के चर एवं शिक्षण के प्रकार
- शिक्षण की प्रक्रियाओं का महत्व
- शिक्षण अधिगम की विधियाँ

❖ अधिगम वह **मानसिक प्रक्रिया** है, जिसमें बालक परिपक्वता की ओर बढ़ता हुआ, अपने अनुभवों से लाभ उठाता हुआ, अपने स्वाभाविक **व्यवहार या अनुभूति में प्रगतिशील परिवर्तन** और परिष्कार करता है।

अधिगम का अर्थ (Meaning of Learning)

❖ **'अधिगम'** शब्द **'अधिगम-प्रक्रिया (Process)** तथा उस प्रक्रिया के **'परिणाम' (Out-put/Product)** दोनों के लिए प्रयोग किया जाता है। प्रक्रिया के रूप में अधिगम सीखने वाले के अनुभवों, उसकी आन्तरिक एवं बाह्य क्रिया तथा उसकी अपनी परिस्थिति के प्रति उसकी प्रतिक्रियाओं का उल्लेख करता है।

❖ प्रक्रिया के परिणाम के रूप में अधिगम व्यवहार-परिवर्तनों का उल्लेख करता है। व्यवहार का आधार अधिकांशतः **उद्दीपन (Stimulus-S)** तथा **अनुक्रिया (Response-R)** है।

❖ अधिगम एक जटिल प्रक्रिया और कठिन संप्रत्यय है। अधिगम की अवधारणा व्यापक और विस्तृत है।

❖ अधिगम सम्प्रत्यय दो शब्दों से मिलकर बना है—**अधि + गम।** 'अधि' उपसर्ग है और गम का अर्थ है—**जानना या प्राप्त करना।**

❖ इस प्रकार भारतीय दृष्टिकोण के आधार पर हम कह सकते हैं कि अधिगम का अर्थ है—**'ग्रहण करना'।**

❖ दूसरे शब्दों में अधिगम शब्द का अर्थ हुआ **अधिकारिक प्राप्ति, ग्रहण करना, स्वाध्याय, व्यावसायिक सम्प्राप्ति।**

❖ अधिगम को ही **सीखना** (Learning) कहते हैं। शिशु जन्म के समय पूर्णतः असहाय होता है। अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए वह माता-पिता पर निर्भर रहता है।

❖ आयु में वृद्धि के साथ शिशु की ज्ञानेन्द्रियों में **चेतना-शक्ति अधिक प्रबल** हो जाती है। चेतना-शक्ति के जाग्रत होने पर वातावरण के प्रति उसकी प्रतिक्रिया आरम्भ हो जाती है और शैशवावस्था से ही बालक वातावरण के साथ व्यवस्थित होने का प्रयत्न आरम्भ कर देता है।

❖ वातावरण के साथ अनुकूल व्यवस्थापन करते समय बालक जिन क्रियाओं के फलस्वरूप **अनुभव अर्जित करता है**, वे उसको अपेक्षित व्यवहार करने की प्रेरणा देती हैं। इन अनुभवों के आधार पर बालक अपने व्यवहार में आवश्यक परिवर्तन करता है। अतः **अनुभव द्वारा व्यवहार में परिवर्तन ही सीखना है।**

❖ एक शिशु उत्सुकतावश दीपक की लौ पकड़ने का प्रयास करता है। वह जलने पर तुरन्त हाथ हटा देता है। इससे उसे अनुभव हुआ कि आग पीड़ा पहुँचाती है।

❖ इस अर्जित अनुभव के आधार पर बालक के व्यवहार में यह परिवर्तन होता है कि भविष्य में वह आग से दूर रहना सीख जाता है।

❖ बालक का व्यवहार पूर्व में संगठित होता ही है, परन्तु उस व्यवहार का **पुनर्गठित** रूप ही अधिगम है।

अधिगम की परिभाषाएँ (Definitions of Learning)

❖ **सारट्रेन, नार्थ, स्ट्रेज तथा चैपमैन** के अनुसार, **''सीखना एक ऐसी प्रक्रिया है, जिसके द्वारा अनुभूति या अभ्यास के फलस्वरूप व्यवहार में अपेक्षाकृत स्थायी परिवर्तन होता है।''**

❖ **रिली तथा लेविस के अनुसार, ''अभ्यास या अनुभूति से व्यवहार में धारण योग्य परिवर्तन को सीखना कहा जाता है।''**

❖ **आर.एस. वुडवर्थ** के अनुसार, **''सीखना एक क्रिया है जो बाद की क्रिया पर आपेक्षतः स्थायी प्रभाव उत्पन्न करती है।''**

❖ **गेट्स** के अनुसार, **''अनुभव और प्रशिक्षण के द्वारा व्यवहार में परिवर्तन सीखना है।''**

❖ **अण्डरवुड** के अनुसार, **''सीखना नई प्रतिक्रियाओं को प्राप्त करना है या पुरानी प्रतिक्रियाओं की क्रियाशीलता को बढ़ाना है।''**

❖ **ब्लेयर, जोन्स तथा सिम्पसन** के अनुसार, **''कोई भी व्यवहार परिवर्तन जो प्राणी के अनुभव का प्रतिफल हो और जो उसे भावी परिस्थितियों का सामना नए तरीके से करने में सहायक हो, अधिगम कहलाता है।''**

❖ **क्रो व क्रो ''सीखना, आदतों, ज्ञान और अभिवृत्तियों का अर्जन है।''**

भाषा योग्यता : अंग्रेजी [Language Ability : English]

1 Kinds of Sentences (वाक्य भेद)

Sentence (वाक्य)

A sentence is a group of words which makes a complete sense. शब्दों का वह समूह जिसका पूर्ण अर्थ हो वाक्य कहलाता है।

Example :
India is a great nation.
Honesty is the best policy.
Alas! The poor man is dead.

Kinds of Sentences (वाक्य-भेद)

According to functions there are four kinds of sentences:

1. **Assertive (Declarative) (सूचना देने वाला वाक्य)**—A sentence that makes a statement is called a Declarative sentence.
वह वाक्य जिसमें वर्णन या स्वीकृति का बोध हो।
He comes here daily.
He was playing cricket.
The declaratives which make **positive** statements are called **affirmative** (सकारात्मक वाक्य) and those that make negative statements with the help of negative words (no, not, never, nobody, none etc.) are called **negative.** (नकारात्मक वाक्य)
2. **Interrogative (प्रश्न वाचक वाक्य)**
A sentence in which a question is asked.
वह वाक्य जिसमें प्रश्न पूछा जाये।
Are you married ?
Where do you live ?
3. **Imperative (आदेशात्मक या आज्ञासूचक वाक्य)**
A sentence which expresses a command or request.
वह वाक्य जो आज्ञा, प्रार्थना, निषेध आदि व्यक्त करें।
Get out.
Don't make a noise.
Please give me your pen.
4. **Exclamatory (विस्मयादि बोधक वाक्य)**
A sentence which expresses our feelings.
वह वाक्य जो हमारी भावनाओं को व्यक्त करता हैं।
What a beautiful flower !
Alas ! The poor man is dead.
Hurrah ! We have won the match.

Fragments : Fragments are words or phrases doing the function of complete sentences. They do not have their own subjects and predicates. They can be converted into full sentences.

Example :
(i) Good idea! (ii) Nothing much.
It's a **good idea.**
He is doing **nothing much.**

Fragments वे शब्द या शब्द समूह होते हैं जो पूर्ण वाक्य का कार्य करते हैं परन्तु इनमें स्वयं का कर्त्ता और विधेय नहीं होते। इनको पूर्ण वाक्य में बदला जा सकता है।

Elements of a Sentence (वाक्य के तत्त्व)

1. Subject (कर्ता) 2. Object (कर्म)
3. Verb (क्रिया) 4. Complement (पूरक)
5. Adverb (क्रिया-विशेषण)

(a) वाक्य के पाँच तत्त्व (Elements) होते हैं अर्थात् किसी वाक्य में अधिकतम ये पाँच तत्त्व आ सकते हैं। परन्तु **Subject** (कर्ता) और **Verb** (क्रिया) वाक्य के आवश्यक तत्त्व हैं। इनके बिना वाक्य नहीं बन सकता। जैसे—
(i) Water flows. (ii) Birds fly.

Subject (कर्त्ता): A subject is a word or words about which something is said in a sentence.
(i) **Water** flows.
(ii) **Birds** fly.
(iii) **This house** is beautiful.

Object (कर्म) : An **Object** is a word to which an action is done. A transitive verb takes an object. कर्म वह शब्द होता है जिसके साथ क्रिया घटित होती है।
(i) Ramesh killed **a snake.**
(ii) He wrote **a letter.**
The action of killing was done to **the snake.**

(b) सकारात्मक क्रिया वाले वाक्यों में कर्म (object) अवश्य आता है। जैसे—
(i) Ramesh killed a **snake**. (ii) He wrote a **letter**.

Complement : The words added to complete the meaning of the verb are called its **Complement**.
(i) Mukta is a **doctor.** (पूरक-कर्त्ता)
(ii) They made my uncle a **captain** (पूरक कर्म)
(iii) We chose him our **leader.** (पूरक कर्म)

(c) कुछ क्रियाओं के साथ वाक्य को पूरा करने के लिए पूरक कर्म (Object Complement) लगाना जरूरी होता है। ये शब्द हैं—elect, select, choose, call, name, appoint, make, be, have, become etc.

Subject Complement (कर्त्ता-पूरक)
A word or phrase, especially an adjective or a noun, that is used after, the linking verbs such as **'be'** and **'become'** and describes the subject of the verb is called a **subject complement.**
(a) She is **angry.**
(b) He become **a teacher.**

2 ARTICLES (आर्टिकल्स)

Article Determiners

❖ **Articles are small words that are often used at the beginning of noun phrases. They belong to a group of words called 'determiners'. (Article छोटे शब्द हैं जो प्रायः noun phrases के शुरू में प्रयुक्त होते हैं। ये determiners का भाग है।)**

Articles and their Uses

There are two kinds of articles in English—
(i) Indefinite Article—**A, An**
(ii) Definite Article—**The**

Note—In modern English we have to recognize one more type, **Zero article**. Thus there are three possibilities in all—(i) Use of Indefinite Article, (ii) Use of Definite Article and (iii) Use of Zero Article. (आधुनिक अंग्रेजी में Article का नया प्रकार **Zero article** चिह्नित किया गया है)

❖ Articles are used before nouns or with nouns so they are best learnt in relation to various kinds of nouns. (Articles का प्रयोग nouns के पहले या nouns के साथ किया जाता है इसलिए इन्हें nouns के विभिन्न प्रकारों के साथ अच्छे से सीखा जा सकता है)

❖ Here is a classification of common nouns—

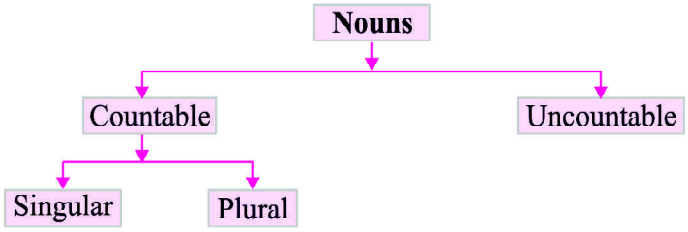

❖ Thus we get three types of nouns—
(i) **Countable Singular (CS)**—Boy, man, pen, house.
(ii) **Countable Plural (CP)**—Boys, men, pens, houses.
(iii) **Uncountable (U)**—Milk, honesty, sugar, wheat.

Use of The Indefinite Article 'A' / 'an' (अनिश्चयवाचक उपपद a, an का प्रयोग)

(i) 'A' or 'an' is the short or weakened form of one and is used before a countable singular noun which is not definite, particular or proper e.g. a boy, an elephant etc. (अनिश्चयवाचक उपपद—a या an अंग्रेजी के 'one' शब्द का संक्षिप्त रूप है। a या an का प्रयोग एकवचन की उन संज्ञाओं के पहले किया जाता है जो गणनीय (Countable) होती हैं और जो निश्चित या विशेष नहीं होतीं)
जैसे—एक लड़का, कोई हाथी या एक हाथी

(ii) 'A' is used before a word beginning with a consonant, or a vowel sound like a consonant—e.g., a man, a chair, a useful thing, a one eyed man. (A का प्रयोग एक ऐसे शब्द के पहले किया जाता है जो व्यंजन से शुरू होता है या ऐसे स्वर से शुरू होता है जो व्यंजन की ध्वनि रखता है)

(iii) 'An' is used before countable singular nouns which begin with an initial vowel sound. (an का प्रयोग एकवचन की उस संज्ञा से पूर्व किया जाता है जो गणनीय (countable) होती है और जिसकी प्रारम्भिक ध्वनि स्वर होती है।) जैसे—
An M.P., an S.D.O., an honourable man., an hour, an X-ray, a one eyed man.
M.P. की प्रारम्भिक ध्वनि **एम** है और S.D.O. की प्रारम्भिक ध्वनि **एस** है, इसलिए इनके पहले an लगा है। a one eyed man में यद्यपि one स्वर o से शुरू होता है परन्तु one की प्रारम्भिक ध्वनि **व** है, इसलिए one के पहले a लगता है।
परन्तु hotel और historical novel के पहले a और an दोनों में से कोई भी एक लग सकता है जैसे—
- a (an) hotel
- a (an) historical novel

Some Special Uses of 'A' Or 'An'

❖ The indefinite article a or an is used—

(i) Before a singular countable noun (i.e. of which there is more than one) when it is mentioned for the first time and represents no particular person or thing. (A या an का प्रयोग एकवचन गणनीय संज्ञा के पहले होता है जो अपने प्रकार की एक से अधिक होती है और किसी वाक्य में पहली बार प्रयोग की जाती है तथा किसी विशेष व्यक्ति या वस्तु का बोध नहीं कराती) जैसे—
- A horse is an animal. (Any horse)
- I see a girl.
- A cat caught a mouse.

(ii) A and An are used before a singular countable noun which is used as an example of a class. (A or An का प्रयोग उस एकवचन गणनीय संज्ञा के पहले होता है जो पूरी जाति का बोध कराती है) जैसे—
- A horse has a tail (All horses have a tail)
- A horse is very useful.

3 TENSE (काल)

1. Tense : The word **'Tense'** is a term of English grammar and refers to a form of the verb that indicates time. Tenses mean different forms of a verb showing different times and aspects. Thus a tense indicates the time of an action and the degree of its completion. In non-action verbs it suggests only time.

He is a doctor.

They are students.

The time indicated by a **verb-form** may be present, past and future and the aspect Simple, Continuous and Perfect. However tense and time are two separate things in English. For instance, a verb in the present tense may indicate future time as in the following sentences—

He is going to Jaipur tomorrow.

(Present continuous tense but future time)

The train leaves at 6.30

(Present simple tense but future time)

Tense (काल) क्रिया के वे विभिन्न रूप हैं जिनसे विभिन्न समय दर्शाये जाते हैं (वर्तमान, भूत एवं भविष्यत् काल) तथा जिनसे गतिविधियों (activities) की निरन्तरता अथवा पूर्णता का बोध होता है। अँग्रेजी में काल (tense) एवं समय (time) दो अलग-अलग अवधारणायें हैं। उदाहरण के रूप में, वर्तमान की क्रिया भविष्य के समय का संकेत दे सकती है।

Scientifically speaking English verbs have only two tense forms, viz. **Past** and **Present** and what is traditionally called future tense is expressed with shall/will and the root (first form) of the verb. eg. He *will* go. I *shall* attend the meeting. You *will* meet him to-morrow.

सामान्यता अँग्रेजी verb की present व past दो ही tense forms होती है तथा future के कार्यों एवं घटनाओं के लिए shall/will के साथ क्रिया की पहली (मूल) form आती है।

2. Aspect : The term *Aspect* stands for (indicates) the relationship between an activity and the passage of time. This relationship may be either of completion or of continuation (duration). Here are examples of the two aspects :

I have done my work.
I had read the book. } Perfect Aspect

I am doing my work.
I was reading the book. } Continuous Aspect.

अँग्रेजी क्रिया के दो aspects (पक्ष) होते हैं— Continuous (निरन्तरता-बोधक) तथा Perfect (पूर्णता-बोधक)।

Continuous Aspect में सहायक क्रिया be का कोई रूप (is, am, are, was, were) तथा मुख्य क्रिया की ing form (present participle) प्रयोग होती है। जैसे I am reading a book.

Perfect Aspect में सहायक क्रिया have का कोई रूप (have, has, had) तथा मुख्य क्रिया की Third form (past participle) प्रयोग होती है। जैसे I have done my work.

3. Verb forms and their uses : The following forms of the main verb are used in the formation of tenses.

विभिन्न tenses की रचना में मुख्य क्रिया के निम्नलिखित रूप प्रयुक्त होते हैं—

(i) Present simple form (First form) (go) or (goes)
(ii) Past simple form (Second form) (went)
(iii) Past participle (Third form) (gone)
(iv) Present participle (ing form) (going)

Verb forms and their uses

I Form	II Form	III Form	ING Form
Present Simple Future Simple	Past Simple	Three Perfect Tense	Three Continuous Three Perfect Continuous

4. Tenses : Structures and Usage :

1. Present Simple :

Verb Form :

(i) **Auxiliary verb** = not used in affirmative sentences.

(ii) **Main verb** = first form (present) 's' or 'es' added to the first form in third person singular.
  (a) I play, but he plays.
  (b) I write, but Reeta writes.

(iii) Present simple form of the verb or be, i.e., is, am, are, is used in this tense, e.g.
  (a) I am a lecturer.
  (b) Raju is an officer.
  (c) They are students.

Nature of Action : Repetitive :

Actions that are repetitive in nature for any reason, such as habit, universality, profession etc. are expressed in this tense. The time content is general present.

The construction of the sentence is as follows :

(i) Sub + verb + object/com + Adv. of Frequency.
Christians go to church every Sunday.

(ii) Sub + verb + s/es + object/com. + Adv. of Frequency.
He reads novels daily. Mohan plays football.

(iii) Sub + is/am/are + NP/Adjective.
I am a teacher. They are honest.

भाषा योग्यता : हिन्दी [Language Ability : Hindi]

1 पर्यायवाची शब्द [Synonyms]

❖ किसी भी भाषा में एक भाव को व्यक्त करने के लिए एक ही शब्द होता है, फिर भी भाव के बहुत ही पास तक पहुँचने वाले कई शब्द हो सकते हैं।
जैसे—
✧ **वृक्ष** कबहु नहिं फल भखै, नदी न संचै नीर।
✧ बड़ा भया तो क्या भया, जैसे **पेड़** खजूर।
✧ अति विशाल **तरु** एक उपारा।
✧ खाएसि फल अरु **विटप** उपारे।

❖ इन पंक्तियों में **वृक्ष, पेड़, तरु** और **विटप** शब्द पेड़ के अर्थ में प्रयुक्त हुए हैं।
❖ यद्यपि व्युत्पत्ति और रचना की दृष्टि से इन विभिन्न शब्दों का अलग-अलग महत्त्व है, परन्तु ये शब्द समान अर्थ प्रकट करते हैं। इनके अलावा भी भाषा में अनेक शब्द ऐसे होते हैं, जो एक ही अर्थ देते हैं।
❖ ऐसे शब्द जो परस्पर समान अर्थ का बोध कराते हैं, **पर्यायवाची शब्द** कहलाते हैं। महत्त्वपूर्ण पर्याय शब्द निम्न हैं—

पर्यायवाची शब्दों के परीक्षोपयोगी उदाहरण

पर्यायशब्द	पर्यायवाची
	'अ' से बनने वाले पर्यायवाची
अकथनीय	अनभिव्यंजनीय, अनिर्वचनीय, अपरिभाष्य, गोपनीय, चमत्कारपूर्ण, वर्णनातीत।
अकिंचन	अगतिक, अनुपाय, असहाय, कंगाल, गरीब, गुमनाम, दरिद्र, निर्धन, परावलंबी, साधनहीन।
अक्षत	अनुल्लंघित, अभंजित, अविभक्त, कौमार्यवान।
अगाध	अकूत, अगणनीय, अतुल, अत्यधिक, अनुमानातीत, अमित, असीम, निस्सीम, बेशुमार, भावपूर्ण।
अग्नि	अनल, अरुण, अशनि, आँच, आग, कृशानु, जातवेद, ज्वाला, दहन, धनंजय, पवि
अचिर	अल्पजीवी, क्षणभंगुर, क्षणिक।
अचेत	चेतनाशून्य, चेतनाहीन, बेहोश, मूर्च्छित, संज्ञाहीन।
अच्युत	अटल, अनष्ट, अमर, ईश्वर, कृष्ण, परिवर्तनहीन, विष्णु।
अज्ञानी	मूर्ख, अनभिज्ञ, मूढ़, अनजान
अतिरिक्त	अलग, जुदा, न्यारा, पृथक, भिन्न।
अत्याचार	अन्याय, अपकार, अनाचार, नृशंसता, उत्पात, जुल्म।
अदृश्य	अगोचर, अचाक्षुष, अप्रकट, अप्रत्यक्ष, अन्तर्धान, इंद्रियातीत, रहस्यपूर्ण, पर्देदार।
अनुचित	अयुत, नाजायज, बेजा, गैरमाकूल, गैरवाजिब।
अनुपम	अद्भुत, अद्वितीय, अनूठा, अनूप, अनोखा, निराला, अतुल।
अनुरूप	मिलता-जुलता, सदृश, समान, समरूप, तुल्यरूप।
अनूठा	निराला, बेजोड़, विलक्षण, विचित्र, अनोखा।
अन्वेषक	अनुसंधानकर्ता, आविष्कर्ता, पुरातत्ववेत्ता, वैज्ञानिक।
अभिजात	कुलीन, योग्य, विशिष्ट, श्रेष्ठ, संभ्रांत।
अशिष्ट	अपमानजनक, असभ्य, अहंकारी, धृष्ट, निर्लज्ज।
असुर	तमचर, दनुज, दानव, दैत्य, निशाचर, रजनीचर, सुरारि।
अर्जुन	पार्थ, धनंजय, भारत, गुडाकेश, गांडीवधारी

पर्यायशब्द	पर्यायवाची
अधिकार	हक, स्वत्व, दावा, शक्ति, सामर्थ्य, क्षमता
अध्ययन	अनुशीलन, पढ़ाई, परिशीलन
अदृश्य	तिरोहित, लुप्त, गायब, ओझल, अंतर्धान, अस्त
अनुपम	अपूर्व, अनोखा, अद्भुत, अनूठा, अद्वितीय
अशुद्ध	अपवित्र, मलिन, गंदा, दूषित, अशुचि
अवनति	अपकर्ष, ह्रास, गिरावट, घटाव
असीम	बेहद, अपरिमित, नि:सीम, बेहिसाब
अमीर	धनी, धनाढ्य, धनवान, सम्पन्न
अभिप्राय	आशय, तात्पर्य, मंशा, उद्देश्य, प्रयोजन
अभिमान	अहंकार, गर्व, मद, दर्प, गरूर, घमंड, दंभ
अप्सरा	देवबाला, देवांगना, सुरबाला, सुरसुंदरी
अभिजात	श्रेष्ठ, उच्च, कुलीन
अरण्य	जंगल, विपिन, कानन, वन
अपमान	अनादर, तिरस्कार, निरादर, बेइज्जती, उपेक्षा
अपयश	बदनामी, अपकीर्ति, निन्दा, अकीर्ति
	'आ' से बनने वाले पर्यायवाची
आकाश	अंतरिक्ष, अंबर, अनंत, अभ्र, आसमान, खगोल, गगन, फलक, तारापथ, द्यु, नभ, नाक, पुष्कर, व्योम, शून्य।
आत्मा	क्षेत्रज्ञ, चैतन्य, जीव, ब्रह्म, विभु, सर्वज्ञ, सर्वव्याप्त।
आनंद	खुशी, प्रमोद, प्रसन्नता, मज़ा, मोद, लुत्फ, सुख, हर्ष।
आयु	उम्र, जीवनकाल, जिंदगी, वय, वयस, अवस्था।
आयुष्मान	चिरंजीव, चिरायु, दीर्घजीवी, दीर्घायु, शतायु।
आलोचना	गुण-दोष-निरूपण, टीका-टिप्पणी, नुक्ताचीनी, समीक्षा।
आदरणीय	सम्माननीय, पूज्य, पूजनीय, माननीय, मान्यवर
आदित्य	सूर्य, रवि, भानु, प्रभाकर, दिवाकर, भास्कर
आतंक	संत्रास, दहशत, उपद्रव, भीषिका, अतिभय
आश्चर्य	अचरज, अचंभा, ताज्जुब, कौतुक, विस्मय
आकर्षक	मनोहर, मनोज्ञ, मोहक, मंजुल, दिलकश

2 विलोम शब्द [Antonyms]

- जो शब्द एक-दूसरे के विपरीत अर्थ को प्रकट करते हैं, उनको **विलोम शब्द** कहा जाता है।
  जैसे—गुण-अवगुण, धर्म-अधर्म। यहाँ **'गुण'** और **'धर्म'** के विलोम अर्थ देने वाले शब्द क्रमश: **'अवगुण'** व **'अधर्म'** हैं। विलोम शब्द को ही **विपरीतार्थक शब्द** भी कहते हैं।
- भाषा जीवन की अभिव्यक्ति है और जीवन द्वंद्वात्मक है, इसलिए प्रत्येक भाषा में दो विपरीत अर्थों, मंतव्यों को व्यक्त करने के लिए अलग-अलग शब्दों का अस्तित्व होता है।
- विपरीत भाव को व्यक्त करने के लिए ही **विलोम** (उल्टा) **शब्दों** की जानकारी आवश्यक है।
- हिन्दी में ऐसे विलोम शब्द या तो मूल शब्द के रूप में पहले से ही विद्यमान हैं। जैसे – **दिन-रात, सुख-दु:ख, छोटा-बड़ा** आदि।
- उपसर्ग जोड़कर बनने वाले शब्द - जैसे- **ज्ञानी-अज्ञानी, अर्थ-अनर्थ**
- उपसर्ग बदलकर बनने वाले शब्द - जैसे–**सक्षम-अक्षम, अनुकूल-प्रतिकूल** बनाए जाते हैं।

उपसर्ग जोड़कर बनने वाले विलोम शब्द

- **कई शब्द उपसर्ग जोड़कर भी बनाए जा सकते हैं** जैसे—आदान-प्रदान, सुलभ-दुर्लभ, आयात-निर्यात, संयोग-वियोग।
- **'अ' उपसर्ग जोड़कर**—सभ्य-असभ्य, न्याय-अन्याय, लौकिक-अलौकिक, हिंसा-अहिंसा, सामान्य-असामान्य।
- **'अप' उपसर्ग जोड़कर**—यश-अपयश, उत्कर्ष-अपकर्ष, मान-अपमान, कीर्ति-अपकीर्ति।
- **'अन्' उपसर्ग जोड़कर**—अंगीकार-अनंगीकार, उत्तरित-अनुत्तरित, अस्तित्व-अनस्तित्व, अभिज्ञ-अनभिज्ञ।
- **'निस्', 'निश्', 'निष्' उपसर्ग जोड़कर**—पाप-निष्पाप, सक्रिय-निष्क्रिय, सशुल्क-नि:शुल्क, सचेष्ट-निश्चेष्ट, तेज-निस्तेज।
- **'निर्' उपसर्ग जोड़कर**—अभिमान-निरभिमान, सापेक्ष-निरपेक्ष, आदर-निरादर, सामिष-निरामिष, सलज्ज-निर्लज्ज।
- **'वि' उपसर्ग जोड़कर**—सम्मुख-विमुख, राग-विराग, देश-विदेश, योजन-वियोजन।
- **'प्रति' उपसर्ग जोड़कर**—आगामी-प्रतिगामी, वादी-प्रतिवादी, घात-प्रतिघात, रूप-प्रतिरूप, आगमन-प्रत्यागमन।
- **'दुर' उपसर्ग जोड़कर**—सुबोध-दुर्बोध, सुव्यवस्थित-दुर्व्यवस्थित, सज्जन-दुर्जन।
- **'दुस्' उपसर्ग जोड़कर**—सत्कर्म-दुष्कर्म, सच्चरित्र-दुश्चरित्र।
- **'कु' उपसर्ग जोड़कर**—सुपात्र-कुपात्र, सुपुत्र-कुपुत्र, सुपाच्य-कुपाच्य, सन्मार्ग-कुमार्ग।
  - ✧ **लिंग परिवर्तन द्वारा**—राजा-रानी, भाई-बहन, वर-कन्या, माता-पिता, नर-नारी, लड़का-लड़की।
  - ✧ **प्रत्ययवत् प्रयुक्त शब्द-परिवर्तन द्वारा**—केन्द्राभिगामी-केंद्रापसारी, गतिवान-गतिहीन।
  - ✧ **नञ् समास द्वारा**—सभ्य-असभ्य, संभव-असंभव, लौकिक-अलौकिक, आदि-अनादि।
  - ✧ **भिन्न शब्द द्वारा**—लाभ-हानि, कटु-मधु, गुरु-लघु, मूक-वाचाल।

विलोम शब्दों के परीक्षोपयोगी उदाहरण

'अ' से बनने वाले विलोम शब्दों के उदाहरण

शब्द	विलोम	शब्द	विलोम
अचल	सचल	अथ	इति
अनुकूल	प्रतिकूल	अनंत	सान्त
अनर्थ	अर्थ (मंगल)	अचेतन	सचेतन
अनुराग	विराग	अनादि	आदि
अतिवृष्टि	अनावृष्टि	अग्रज	अनुज
अनुगामी	प्रतिगामी	अलभ्य	लभ्य
अर्वाचीन	प्राचीन	अबला	सबला
अमृत	विष	असीम	ससीम
अस्थिर	स्थिर	अपना	पराया
अपरिचित	परिचित	अणु	परमाणु
अर्थी	प्रत्यर्थी	अध:	उपरि
अन्विति	अनन्विति	अकंटक	कंटकाकीर्ण

शब्द	विलोम	शब्द	विलोम
अगाड़ी	पिछाड़ी	अग्रगामी	पश्चगामी
अच्युत	च्युत	अदृश्य	दृश्य
अवलंबित	अनवलंबित	असुविधा	सुविधा
अनिंदनीय	निन्दनीय	अभिलषित	अनभिलषित
अर्हता	अनर्हता	अतुकांत	तुकांत
अधिकांश	अल्पांश	अधिकार	अनधिकार
अभिमुख	पराङ्मुख	अधूरा	पूरा
अनहोनी	होनी	अभिशाप	वरदान
अनाहूत	आहूत	अभ्यंतर	बाह्य
अभ्यस्त	अनभ्यस्त	अनित्य	नित्य
अनुकूल	प्रतिकूल	अमावस्या	पूर्णिमा
अमीर	गरीब	अनुनासिक	निरनुनासिक

3 शब्द-युग्म [Word Combinations]

- भाषा में कुछ शब्द ऐसे होते हैं, जिनका उच्चारण कुछ मिलता-जुलता होता है और धीरे-धीरे उनका उच्चारण एक जैसा होने लगता है।
- ये शब्द अर्थ की दृष्टि से सर्वथा भिन्न होते हैं। अत: इनका शुद्ध प्रयोग जानना आवश्यक है अन्यथा समझने में या लेखन में त्रुटि हो सकती है।
- वे शब्द जिनका उच्चारण प्राय: समान होता है; परन्तु उनके अर्थ में भिन्नता होती है उन्हें **'शब्द-युग्म'** कहते हैं।
- युग्म-शब्दों के सम्बन्ध में विशेष बात यह है कि ये उच्चारण में लगभग एक जैसे प्रतीत होते हैं, किन्तु लिपि रूप में जब इनको पढ़ा जाता है तो भिन्नता दृष्टिगोचर होने लगती है।
- उदाहरण के लिए **'आदि'** और **'आदी'** शब्द हैं। यदि इनको केवल सुना जाएगा तो लगेगा कि दोनों का अर्थ एक ही है; किन्तु यदि इन्हें पढ़ा जाएगा तो भिन्न अर्थ की प्रतीति स्वत: हो जाएगी। अत: **'आदि'** का अर्थ 'वगैरह' और 'आदी' का अर्थ 'आदत वाला' उभरकर सामने आ जाता है।

शब्द-युग्मों के परीक्षोपयोगी उदाहरण

शब्द	अर्थ	शब्द	अर्थ
'अ', 'आ' से निर्मित शब्द-युग्मों के उदाहरण			
अगम	– दुर्लभ	अचर	– स्थावर
आगम	– शास्त्र	अचिर	– नवीन
अपेक्षा	– स्थावरन	अशक्त	– शक्तिहीन
उपेक्षा	– आवश्यकता	आसक्त	– मोहित
अक्ष	– धुरी	अनु	– पश्चात्
अक्षि	– आँख	अणु	– कण
अंब	– माता	अंतर	– फर्क, भेद
अंबु	– जल	अनंतर	– बाद में
आर्त	– दु:खी	अजर	– देवता
आर्द्र	– गीला	अजिर	– आँगन
अनल	– आग	अथक	– बिना थके
अनिल	– हवा	अकथ	– न कहने योग्य
अभिहित	– कहा हुआ	अगद	– निरोग
अविहित	– अनुचित	अंगद	– बालि का पुत्र
अवंद्य	– निंदनीय	आसक्त	– विरक्त
अवध्य	– नहीं वध करने योग्य	अशक्त	– शक्तिहीन
अगत	– न गया हुआ	अगर	– धूपबत्ती, यदि
आगत	– आने वाला	अग्र	– आगे
अनावर्त	– न दोहराया हुआ	अनाचार	– अयोग्य आचरण
अनावृत्त	– न ढका हुआ	अत्याचार	– बुरा आचरण
अजन	– जन रहित	अपलक	– टकटकी लगाकर
अंजन	– काजल	अपलोक	– अपवाद, बदनामी
अवयव	– अंग	अवधूत	– साधु, संन्यासी
अव्यय	– अविकारी शब्द	अधूत	– निडर
अस्व	– धनहीन	अस्ति	– है (अस्तित्वमान)
अश्म	– पत्थर	अस्थि	– हड्डी
असाध	– कठिन	अशौच	– अशुद्ध
असाधु	– दुष्ट	अशोच	– बिना सोच के
अभिमान	– घमंड	अभार	– भारहीन
अभियान	– सन्नद्ध होना, पढ़ाई	आभार	– कृतज्ञता
आसन	– बैठने की जगह	आहुत	– यज्ञ
आसान	– सरल	आहूत	– आमंत्रित
आभरण	– आभूषण	आश्रय	– सहारा
आवरण	– पर्दा	आश्रम	– तपोवन कुटिया
'इ', 'ई', 'उ' से निर्मित शब्द-युग्मों के उदाहरण			
इड़ा	– पृथ्वी/नाड़ी	इतर	– भिन्न
ईडा	– स्तुति	इत्र	– सुगंधित द्रव्य
इंदिरा	– लक्ष्मी	ईति	– दैवी प्रकोप
इंद्रा	– इंद्र की पत्नी	इति	– समाप्त
उद्यत	– तैयार	उपकार	– भलाई
उद्धत	– शैतान/उद्दण्ड	अपकार	– बुराई
उर	– हृदय	इंदु	– चंद्रमा
उरु	– जाँघ	इंदुर	– चूहा
उत्पात	– उपद्रव	उपल	– पत्थर
उत्पाद	– उत्पन्न किया हुआ	उत्पल	– कमल
'ए', 'ओ' से निर्मित शब्द-युग्मों के उदाहरण			
एकदा	– एक बार	ओटना	– बिनौले अलग करना
एकधा	– एक प्रकार	औटना	– खौलना
ओर	– तरफ	अंश	– भाग
और	– तथा	अंस	– कंधा
'क', 'कं' से निर्मित शब्द-युग्मों के उदाहरण			
किला	– गढ़	कुच	– स्तन
कीला	– खूँटा	कूच	– प्रस्थान
कृपण	– कंजूस	कंच	– काँच
कृपाण	– तलवार	कंचन	– सुवर्ण
कलश	– घड़ा	कल्प	– अनेक युगों का समय
कुलिश	– हीरा/वज्र	कल्पित	– कल्पना किया गया

दक्ष की पुस्तकें Online Order करने के लिए www.dakshbooks.com पर जायें

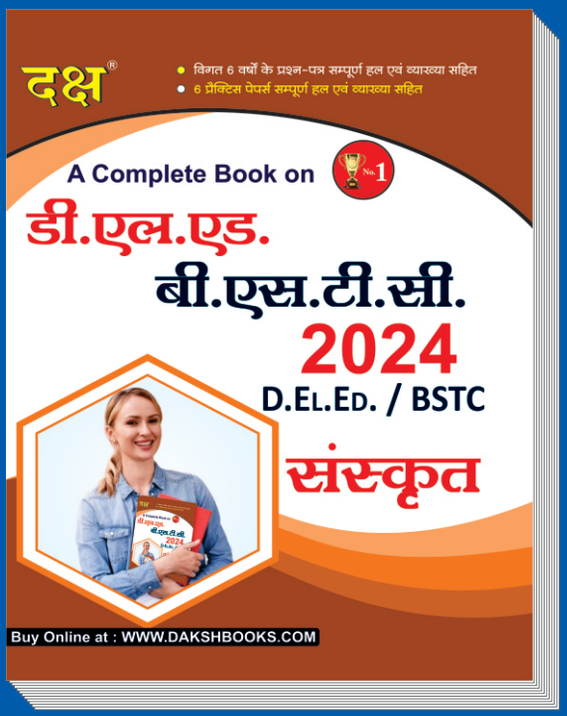

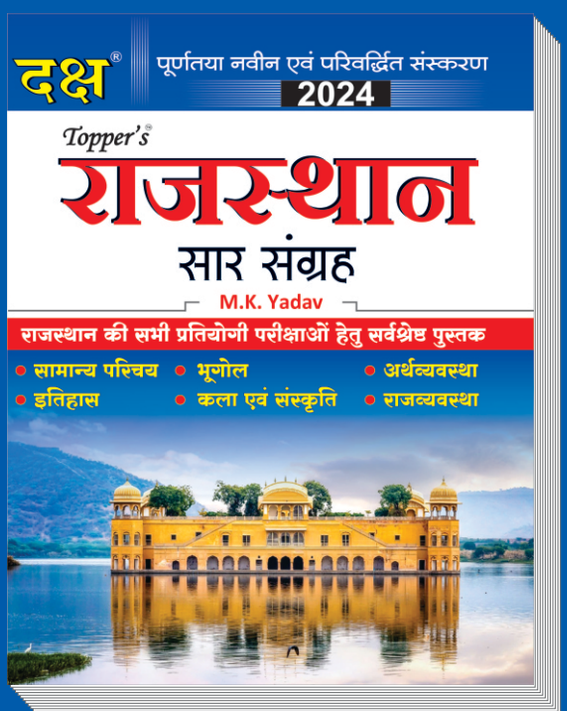

दक्ष प्रकाशन
(A Unit of College Book Centre)
A-19 सेठी कॉलोनी, जयपुर (राज.)
फोन नं. 0141-2604302
Code No. D-739 | ₹ 780/-

इस पुस्तक को ONLINE खरीदने हेतु
WWW.DAKSHBOOKS.COM
पर ORDER करें
★ SPECIAL DISCOUNT + FREE DELIVERY ★